IESO 2026 Success Story: इटली में भारतीय छात्रों का जलवा, 4 गोल्ड समेत जीते 9 मेडल

भारत के स्कूली छात्रों ने एक बार फिर दुनिया के सामने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। **19वीं International Earth Science Olympiad (IESO) 2026** में भारतीय छात्रों ने ऐसा प्रदर्शन किया है जिसने देश का नाम वैश्विक स्तर पर रोशन कर दिया।

इटली के **Turin (ट्यूरिन)** में 20 से 27 अगस्त 2026 तक आयोजित IESO में दुनिया के **39 देशों** के प्रतिभाशाली छात्रों ने हिस्सा लिया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में **4 Gold, 3 Silver और 2 Bronze समेत कुल 9 पदक** जीतकर IESO के इतिहास में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया।

इस शानदार उपलब्धि के बाद केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री **डॉ. जितेंद्र सिंह** ने नई दिल्ली के पृथ्वी भवन में भारतीय विजेता छात्रों से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने छात्रों, उनके माता-पिता और स्कूलों को देश का नाम रोशन करने के लिए बधाई दी।

भारत ने रचा इतिहास

IESO 2026 में भारत का प्रदर्शन इसलिए खास है क्योंकि यह प्रतियोगिता में देश का **अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन** है।

भारतीय टीम ने कुल:

- 🥇 **4 Gold Medals**
- 🥈 **3 Silver Medals**
- 🥉 **2 Bronze Medals**
- 🏆 **कुल 9 Medals**

अपने नाम किए।

भारतीय छात्रों ने Written & Practical Examination, International Team Field Investigation (ITFI) और Earth Science Project (ESP) जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया।

39 देशों के बीच भारत का शानदार प्रदर्शन

IESO 2026 में **39 देशों** के छात्र शामिल हुए थे। ऐसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के चार छात्रों का 9 पदक जीतना देश के लिए बड़ी उपलब्धि है।

यह सफलता सिर्फ पदकों तक सीमित नहीं है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत के स्कूली छात्र Earth Science और वैज्ञानिक अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी विश्वस्तरीय प्रदर्शन करने की क्षमता रखते हैं।

कौन-कौन से भारतीय छात्रों ने जीते मेडल?

भारतीय दल में चार छात्रों ने देश का प्रतिनिधित्व किया और सभी ने शानदार प्रदर्शन किया।

🥇 Soumik Mandal – सबसे शानदार प्रदर्शन

Soumik Mandal ने भारतीय टीम के प्रदर्शन में सबसे बड़ा योगदान दिया।

वे **DAV Model School, Durgapur, West Bengal** से हैं।

Soumik ने:

- 🥇 **2 Gold Medals**
- 🥈 **1 Silver Medal**

जीता।

इतना ही नहीं, उन्होंने 39 देशों के प्रतिभागियों के बीच **Overall Global Ranking में तीसरा स्थान** हासिल किया।

यह उपलब्धि भारतीय छात्रों के लिए विशेष गर्व का विषय है।

🥇 Aaron Maiti

Aaron Maiti, DAV Model School, IIT-KGP, West Bengal के छात्र हैं।

उन्होंने:

- 🥇 **1 Gold Medal**
- 🥉 **1 Bronze Medal**

जीता।

उनके प्रदर्शन ने भारत की कुल पदक संख्या को और मजबूत किया।

🥇 Riddhi Ranjan

Riddhi Ranjan, Gyan Asthali International School, Patna, Bihar की छात्रा हैं।

उन्होंने:

- 🥇 **1 Gold Medal**
- 🥈 **1 Silver Medal**

जीता।

उनका प्रदर्शन भारतीय टीम की ऐतिहासिक सफलता में महत्वपूर्ण रहा।

🥈 Md Ehtesham Rizwi

Md Ehtesham Rizwi, Jawahar Navodaya Vidyalaya, Bihar के छात्र हैं।

उन्होंने:

- 🥈 **1 Silver Medal**
- 🥉 **1 Bronze Medal**

जीता।

इस तरह भारतीय टीम के चारों सदस्यों ने मिलकर देश के खाते में कुल **9 पदक** जोड़े।

17,800 छात्रों के बीच से चुनी गई थी भारतीय टीम

भारत की यह सफलता अचानक नहीं मिली।

इसके पीछे एक लंबी और कठिन **selection और training process** थी।

IESO के लिए देशभर में आयोजित राष्ट्रीय चयन परीक्षा में करीब **17,800 छात्रों** ने हिस्सा लिया था। यह परीक्षा लगभग **500 केंद्रों** पर आयोजित की गई थी।

इन हजारों छात्रों में से बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले **Top 25 students** का चयन किया गया।

इसके बाद इन छात्रों को एक intensive training programme से गुजरना पड़ा।

तीन सप्ताह की कठिन ट्रेनिंग

चयनित Top 25 छात्रों के लिए जून 2026 में **M.S. University, Vadodara** में लगभग तीन सप्ताह का intensive training camp आयोजित किया गया।

इस training programme में छात्रों को Earth Science से जुड़े विभिन्न विषयों और प्रतियोगिता के practical aspects के लिए तैयार किया गया।

इसी कठिन चयन और प्रशिक्षण प्रक्रिया से गुजरने के बाद चार छात्रों को भारत की ओर से IESO 2026 में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला।

सफलता के पीछे Ministry of Earth Sciences का समर्थन

भारतीय छात्रों की IESO यात्रा को **Ministry of Earth Sciences (MoES)** के Outreach and Awareness Programme के तहत समर्थन मिला।

राष्ट्रीय स्तर की चयन प्रक्रिया में **Geological Society of India (GSI)** की भी भूमिका रही।

इस structured selection और training programme ने छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने किया सम्मानित

भारत की ऐतिहासिक उपलब्धि के बाद **केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह** ने नई दिल्ली के Prithvi Bhawan में विजेता छात्रों से मुलाकात की।

उन्होंने छात्रों के साथ बातचीत की और उनके प्रदर्शन की सराहना की।

मंत्री ने छात्रों के साथ-साथ उनके माता-पिता और स्कूलों को भी बधाई दी, जिन्होंने इन युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं में scientific temperament विकसित करना और उन्हें Earth System Science जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ने के अवसर देना महत्वपूर्ण है।

यह उपलब्धि क्यों खास है?

भारत में आमतौर पर छात्रों की सफलता को बोर्ड परीक्षा, JEE, NEET और UPSC जैसी परीक्षाओं से जोड़कर देखा जाता है।

लेकिन IESO 2026 की यह सफलता बताती है कि भारतीय छात्रों की प्रतिभा इससे कहीं आगे है।

Earth Science जैसे interdisciplinary क्षेत्र में भारतीय छात्रों ने दुनिया के 39 देशों के छात्रों के सामने अपनी क्षमता दिखाई है।

यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी के छात्रों को Science, Earth System Science, Geology, Climate Science और Research जैसे क्षेत्रों में करियर बनाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

IESO 2026 से छात्रों को क्या सीखना चाहिए?

भारतीय टीम की सफलता से देश के लाखों छात्रों को कई महत्वपूर्ण सीख मिलती हैं।

1. छोटी उम्र में बड़ा सपना देखें

स्कूल के छात्र भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। जरूरत है सही दिशा और मेहनत की।

2. Competition से डरने के बजाय तैयारी करें

17,800 छात्रों के बीच से चुने जाने के बाद भारतीय छात्रों ने दुनिया के 39 देशों के प्रतिभागियों का सामना किया।

3. केवल किताबें पढ़ना पर्याप्त नहीं

IESO जैसी प्रतियोगिताओं में theoretical knowledge के साथ practical understanding, field investigation और project-based learning भी महत्वपूर्ण है।

4. सही Training सफलता को आसान बनाती है

Top 25 छात्रों को intensive training दी गई। इससे पता चलता है कि सही mentorship और training किसी प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा सकती है।

5. असली सफलता लगातार सीखने में है

भारत की यह उपलब्धि छात्रों को Science और Research के नए क्षेत्रों की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

भारत के लिए गर्व का पल

IESO 2026 में भारत के चार छात्रों ने सिर्फ पदक नहीं जीते, बल्कि दुनिया को यह दिखाया कि देश के युवा वैज्ञानिक प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है।

4 Gold + 3 Silver + 2 Bronze = 9 Medals

और इनमें **Soumik Mandal का Overall Global Rank 3** हासिल करना इस उपलब्धि को और खास बनाता है।

यह भारत के लिए सिर्फ एक Olympiad की जीत नहीं है।

यह उन हजारों छात्रों के लिए प्रेरणा है जो Science को केवल एक subject नहीं, बल्कि अपने भविष्य का career बनाना चाहते हैं।

निष्कर्ष

IESO 2026 में भारतीय छात्रों की सफलता देश के लिए गर्व का विषय है।

17,800 छात्रों की राष्ट्रीय चयन प्रक्रिया से शुरू हुआ सफर 39 देशों के बीच अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचा और भारत ने अपना अब तक का **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन** करते हुए 9 पदक जीत लिए।

Soumik Mandal, Aaron Maiti, Riddhi Ranjan और Md Ehtesham Rizwi ने अपने शानदार प्रदर्शन से भारत का नाम रोशन किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा विजेता छात्रों का सम्मान इस उपलब्धि को और विशेष बनाता है।

इन युवा प्रतिभाओं की कहानी देश के हर छात्र को एक संदेश देती है—

"प्रतिभा को सही दिशा, मेहनत और अवसर मिल जाए तो भारतीय युवा दुनिया के किसी भी मंच पर तिरंगा लहरा सकते हैं।"

MORE SUCCESS STORIES CLICK HERE